लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 8.3.2020 पृष्ठ सं 9 कॉलम 1-4

शिक्षा | देश में चार विश्वविद्यालयों को ही आइडीपी योजना में मिली ग्रांट, इसमें एचएयू भी शामिल

एचएयू के विद्यार्थी-शिक्षक विदेश में लेंगे ट्रेनिंग

जागरण संवाददाता, हिसार: देश भर में नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशनल प्रोजेक्ट (नेहेप) इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आइडीपी) के तहत चार विश्वविद्यालयों को चुना गया है। जिसमें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रथम फेज में आइडीपी योजना से 30 करोड़ रुपये की ग्रांट मिली है। खास बात है कि इस योजना के माध्यम से एचएयू के 68 विद्यार्थी, 25 अध्यापक ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, जापान, अमेरिका जैसे देशों में जाकर कृषि और आधुनिक तकनीक से जुड़े कई प्रशिक्षण लेंगे।

यह कार्यकाल कहीं एक महीने तो कहीं दो से तीन महीने तक का होगा। खास बात है कि स्नातक के विभिन्न कोर्सों में अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को इसमें शामिल होने का मौका दिया जा रहा है। यह छात्र विदेशी शिक्षण संस्थान में ट्रेनिंग लेने के साथ वहां मास्टर डिग्री प्रोग्राम में दाखिले के लिए भी प्रयासरत हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से ऑस्ट्रेलिया रवाना होने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. केपी सिंह से आशीर्वाद लेने पहुंचे। ● एचएयू के सौजन्य से

छह विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया के लिए होंगे रवाना

छह विद्यार्थी आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में जा रहे हैं। यह छात्र वहां रहकर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाली किस्में तैयार करने का प्रशिक्षण लेंगे। दरअसल इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आइडीपी) के तहत विश्वविद्यालय के 6 विद्यार्थी आस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय में दो माह के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस प्रशिक्षण के तहत मुख्यत: रोग प्रतिरोधक किस्में विकसित करने के लिए और इसके साथ ही गेहूं में पीला रतुआ आदि रोगों का अध्ययन व अनुसंधान किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा ऑस्ट्रेलिया जा रहे 6 विद्यार्थियों को आने-जाने, रहने तथा खाने के लिए 3,85,000 रुपये प्रति छात्र दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा लिखित व व्यक्तित्व मूल्यांकन परीक्षा के आधार पर सन्नी मान्जु, हेमंत, आरजू, संध्या, अंजली राणा तथा भूषण का चयन किया गया है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पूर्व सभी विद्यार्थी कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से मिले। उन्होंने सभी छात्रों को उनके सुनहरे भविष्य व शुभ यात्रा के लिए आशीर्वाद दिया। इस मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ. एसके सहरावत व लॉयजन ऑफिसर आइडीपी डॉ. मुकेश सैनी मौजूद रहे।

कोरोना वायरस से सचेत रहने की दी सलाह: कुलपति ने बच्चों को आस्ट्रेलिया जाने के दौरान कोरोना वायरस से सचेत रहने के लिए कहा। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और अधिक विद्यार्थियों व शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के लिए विभिन्न देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चैक रिपब्लिक, ऑस्ट्रिया आदि में भेजा जाएगा ताकि विश्वविद्यालय के छात्र व शिक्षक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के युग में अपने कौशल को निखार सकें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक..8.3.2020.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....3:5....

एचएयू के 6 विद्यार्थी सिडनी विवि में लेंगे प्रशिक्षण

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के छह विद्यार्थी नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशनल प्रोजेक्ट (नेहेप) के तहत सिडनी विश्वविद्यालय में दो माह के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

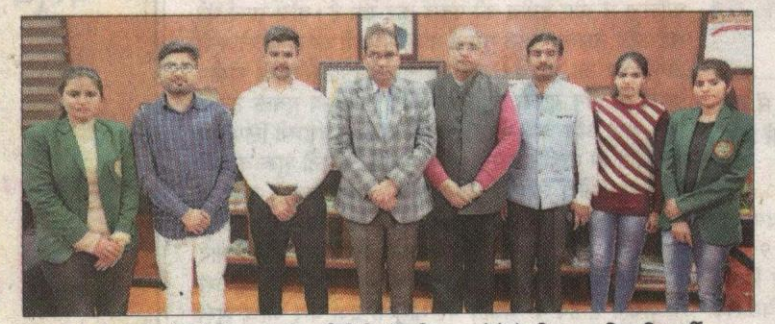

इस प्रशिक्षण के तहत मुख्यतः रोग.प्रतिरोधक किस्में विकसित करने हेतु और इसके साथ ही गेहूं में पीला रतुआ आदि रोगों का अध्ययन व अनुसंधान किया जाएगा, जिसका प्रयोग वापसी आने के बाद अपने-अपने क्षेत्रों में फलदायी और उत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा लिखित व व्यक्तित्व मूल्यांकन परीक्षा के आधार पर सन्नी मांजू, हेमंत, आरजू, संध्या, अंजली राणा व भूषण का चयन किया गया है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पूर्व सभी विद्यार्थी कुलपति, प्रो. केपी सिंह से मिले। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और अधिक विद्यार्थियों व शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के लिए विभिन्न देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चेक रिपब्लिक, ऑस्ट्रिया आदि में भेजा जाएगा ताकि विश्वविद्यालय के छात्र व शिक्षक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के युग में अपने कौशल को निखार सकें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भारतीयता की पहचान बना सकें। बता दें कि नेहेप-आईडीपी के तहत इस वर्ष विश्वविद्यालय के 68 विद्यार्थी व 25 अध्यापक ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड आदि देशों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत व लॉयजन ऑफिसर आईडीपी, डॉ. मुकेश सैनी भी मौजूद रहे।

वीसी प्रो. केपी सिंह के साथ सिडनी विवि में प्रशिक्षण लेने के लिए चयनित विद्यार्थी।

■ गेहूं में पीला रतुआ आदि रोगों का अध्ययन व अनुसंधान किया जाएगा

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 8.3.2020 पृष्ठ सं 11 कॉलम 7-8

हकृवि के छह विद्यार्थी लेंगे ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण

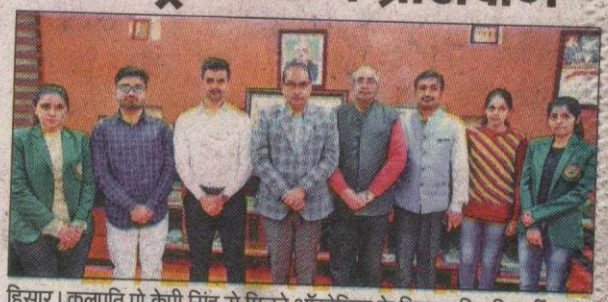

हिसार। कुलपति प्रो.केपी सिंह से मिलते ऑस्ट्रेलिया के लिए चयनित विद्यार्थी ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थी नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशनल प्रोजेक्ट व इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान के तहत सिडनी यूनिवर्सिटी में दो माह के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस प्रशिक्षण के तहत मुख्यतः रोग प्रतिरोधक किस्में विकसित करने हेतु और इसके साथ ही गेहूं में पीला रतुआ आदि रोगों का अध्ययन व अनुसंधान किया जाएगा।

जिसका प्रयोग वापसी आने के बाद अपने-अपने क्षेत्रों में फलदायी और उत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा लिखित व व्यक्तित्व मूल्यांकन परीक्षा के आधार पर सन्नी मान्जु, हेमंत, आरजू, संध्या, अंजली राणा तथा भूषण का चयन किया गया है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पूर्व सभी विद्यार्थी कुलपति, प्रो. केपी सिंह से मिले। उन्होंने सभी छात्रों को उनके सुनहरे भविष्य व शुभ यात्रा के लिए आशीर्वाद दिया तथा साथ ही कोरोना वायरस से सचेत रहने के लिए सूचित भी किया।

प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और अधिक विद्यार्थियों व शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के लिए विभिन्न देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चैक रिपब्लिक, ऑस्ट्रिया आदि में भेजा जाएगा ताकि विश्वविद्यालय के छात्र व अंतर्राष्ट्रीय प्रतस्पिर्धा के युग में अपने कौशल को निखार सकें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भारतीयता की पहचान बना सकें। नेहेप-आईडीपी के तहत इस वर्ष विश्वविद्यालय के 68 विद्यार्थी तथा 25 अध्यापक ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड आदि देशों में प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा ऑस्ट्रेलिया जा रहे 6 विद्यार्थियों को आने-जाने, रहने तथा खाने के लिए 3,85,000 रुपये प्रति छात्र दिए जाएंगे। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत व लॉयजन ऑफिसर आईडीपी, डॉ. मुकेश सैनी भी मौजूद रहें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 8.3.2020 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-4

रोग प्रतिरोधक किस्में विकसित करने के लिए होगी ट्रेनिंग, लिखित परीक्षा के आधार पर हुआ चयन

हकृवि स्टूडेंट्स सिडनी में प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

6 विद्यार्थियों का हुआ चयन, ऑस्ट्रेलिया में दो महीने प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय - कृषि शिक्षा, अनुसंधान तथा विस्तार के क्षेत्र में लगातार सफलता की नई बुलंदियों की तरफ बढ़ रहा है। नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशनल प्रोजेक्ट (नेहेप) इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आईडीपी) के तहत विश्वविद्यालय के 6 विद्यार्थी सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में दो माह के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस प्रशिक्षण के तहत रोग प्रतिरोधक किस्में विकसित करने हेतु और इसके साथ ही गेहूं में पीला रतुआ आदि रोगों का अध्ययन व अनुसंधान किया जाएगा।

जिसका प्रयोग वापसी आने के बाद अपने-अपने क्षेत्रों में फलदायी और उत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए किया जायेगा। विश्वविद्यालय द्वारा लिखित व व्यक्तित्व मूल्यांकन परीक्षा के आधार पर सन्नी मान्जु, हेमंत, आरजू, संध्या, अंजली राणा तथा भूषण का चयन किया गया है।ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पूर्व सभी विद्यार्थी कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह से मिले। उन्होंने सभी छात्रों को उनके सुनहरे भविष्य व शुभ यात्रा के लिए आशीर्वाद दिया तथा साथ ही करोनो वायरस से सचेत रहने के लिए सूचित भी किया। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और अधिक विद्यार्थियों व शिक्षकों को शिक्षा व अनुसंधान के लिए विभिन्न देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चैक रिपब्लिक, ऑस्ट्रिया आदि में भेजा जाएगा ताकि विश्वविद्यालय के छात्र व शिक्षक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के युग में अपने कौशल को निखार सकें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भारतीयता की पहचान बना सकें।

नेहेप-आईडीपी के तहत इस वर्ष विश्वविद्यालय के 68 विद्यार्थी तथा 25 अध्यापक ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड आदि देशों में प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा ऑस्ट्रेलिया जा रहे 6 विद्यार्थियों को आने-जाने, रहने तथा खाने के लिए 3 लाख 85 हजार रुपए प्रति छात्र दिए जाएंगे। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत व लॉयजन ऑफिसर आईडीपी, डॉ. मुकेश सैनी भी मौजूद रहें

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 10.3.2020 पृष्ठ सं 11 कॉलम 2-7

अफगानिस्तान के वैज्ञानिक लेंगे कृषि की नई तकनीकों का ज्ञान

वैभव शर्मा • हिसार

कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक व उच्चतम शोध से रूबरू होने के लिए अब विदेशों से लोग भारत की तरफ आ रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में देखने को इन दिनों मिल रहा है। दरअसल अमेरिका की वर्जीनिया यूनिवर्सिटी और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मिलकर अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों व अफसरों को ट्रेंड करने का प्रोजेक्ट चला रहे हैं। इसमें अफगानिस्तान से करीब 20 वैज्ञानिकों व अफसरों का एक दल एचएयू में पहुंच भी चुका है। इसके साथ ही अमेरिका से आठ सदस्यीय दल आया है। इन विशेषज्ञों ने अफगानिस्तान से आए लोगों के साथ सेशन भी शुरू कर दिये हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग में एचएयू को पहले स्थान पर आना काफी मदद कर रहा है।

ट्रेनिंग लेने के लिए वैज्ञानिकों का दल हिसार पहुंचा, अमेरिका की वर्जीनिया यूनिवर्सिटी व एचएयू के विशेषज्ञ देंगे ट्रेनिंग

अमेरिकन विवि प्रशिक्षण का खर्च उठाएगा

एचएयू का अमेरिका की वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के साथ जो करार हुआ है उसके तहत तीन वर्ष तक एचएयू और वर्जीनियम यूनिवर्सिटी इन वैज्ञानिकों व अफसरों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्हें बताएंगे कि किस प्रकार से कृषि के क्षेत्र में वह आगे बढ़ सकते हैं, नई तकनीकें क्या क्या आ रही हैं, रिसर्च इंस्टीट्यूशन क्या-क्या करते हैं जैसी कई जानकारियां इस प्रशिक्षण कोर्स में जुड़ी हुई हैं। इस पूरे प्रशिक्षण का खर्चा वर्जीनिया यूनिवर्सिटी ही उठाएगी। इस प्रशिक्षण पर करीब 50 हजार डॉलर का खर्चा आएगा। अफगानिस्तान से पहला बैच आ चुका है ऐसे बैच तीन वर्ष तक एचएयू में आएंगे व यहीं रहकर प्रशिक्षण लेंगे।

इन विभागों में जाएंगे विदेशी प्रशिक्षणार्थी

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि विश्वविद्यालय में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सेंटर फॉर बायो नेनो टेक्नॉलोजी, कृषि महाविद्यालय और संबंधित विभागों में जाकर कृषि संबंधी प्रयोग, तकनीक व अन्य सूक्ष्म जानकारियां हासिल करेंगे। जिससे तीनों देशों के बीच समन्वय से लेकर वैज्ञानिक स्तर पर साझा मंच तैयार होगा। इस कार्यशाला के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को क्षेत्रीय स्तर पर व्यापारिक अनुभव प्रदान करवाना, किसानों के पास जाकर प्रयोगिक विधि विकसित करना, निजी क्षेत्र और स्थानीय निकाय संबंधी कृषि अनुभव सांझा करना आदि मुख्य विषय रहेंगे।

> ग्लोबल इंस्टीट्यूशन बनने की ओर हमने बड़ा कदम बढ़ाया है। अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों को हम और वर्जीनिया यूनिवर्सिटी तीन साल तक प्रशिक्षित करेंगे। इस प्रशिक्षण के माध्यम से हमारी कोशिश कि हमारे स्नातक और परास्नातक कोर्सों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को विदेशों के लिये राह खुले।
> - प्रो. केपी सिंह, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

दोनों देशों के वैज्ञानिकों के स्वास्थ्य की जांच की

जागरण संवाददाता, हिसार : कोरोना वायरस के चलते सरकार ने सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के लिये एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत बड़े-बड़े कार्यक्रमों, भीड़ को एकत्रित करने से संस्थानों के प्रशासनिक अधिकारियों को बचना है। इसी बीच चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अफगानिस्तान और अमेरिका का वैज्ञानिक व अफसर आए हुए हैं। इस दल के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य को दो बार चैक किया गया। पहली बार दिल्ली एयरपोर्ट पर थर्मल चेकिंग की गई, ताकि यह पता चल सके कि कोई कोरोना वायरस से तो ग्रसित नहीं है। वहीं दूसरी बार एचएयू में आकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है।

हाथ जोड़कर किया अभिवादन

इसके साथ ही एचएयू में जब विदेशी वैज्ञानिकों के साथ प्रशिक्षण शुरू हुआ तो सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसके साथ ही उन्हें बताया भी कि हाथ जोड़कर नमस्कार करने से बीमारियों से दूर रहा जा सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 8.3.2020 पृष्ठ सं 18 कॉलम 1.3

अमेरिकी और अफगानी विशेषज्ञ स्मार्ट खेती का देंगे प्रशिक्षण

एचएयू के एबिक सेंटर में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों के साथ वार्तालाप करते कुलपति प्रो. केपी सिंह • एचएयू के सौजन्य से

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर में 12 दिवसीय इंडो यूएस अफगानिस्तान प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का विषय कृषि नवाचार प्रणाली के लिए क्षमता विकासः कृषि अनुसंधान और जलवायु-स्मार्ट कृषि दृष्टिकोण रहा। प्रशिक्षण का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया।

कार्यशाला के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हमारे विश्वविद्यालय में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सेंटर फॉर बायो नेनो टेक्नोलॉजी, कृषि महाविद्यालय और संबंधित विभागों में जाकर कृषि संबंधी प्रयोग, तकनीक व अन्य सूक्ष्म जानकारियां हासिल करेंगे। इससे तीनों देशों के बीच समन्वय से लेकर वैज्ञानिक स्तर पर साझा मंच तैयार होगा। इस कार्यशाला से अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान, आपसी संबंध व समझौते, अनुभावात्मक अधिगम कार्यक्रम, स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तथा सामुदायिक समन्वयता को मजबूत करने पर बल दिया जाएगा। कार्यशाला का आयोजन निदेशक अनुसंधान एवं विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का यह है उद्देश्य : अमेरिका, एचएयू व अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को कृषि की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने संबंधी मूल्य प्रणाली, कृषि अनुसंधान विस्तार शिक्षा व प्रशिक्षण को बढ़ावा देने संबंधित प्रशिक्षण देंगे।

इस कार्यशाला के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को क्षेत्रीय स्तर पर व्यापारिक अनुभव प्रदान करवाना, किसानों के पास जाकर प्रायोगिक विधि विकसित करना, निजी क्षेत्र और स्थानीय निकाय संबंधी कृषि अनुभव सांझा करना आदि मुख्य विषय रहेंगे।

ये पदाधिकारी रहे उपस्थित : इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विशेष कार्यकारी अधिकारी, डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव, डॉ. बीआर कम्बोज, अधिष्ठाता स्नाकोत्तर अध्ययन डॉ. आशा क्वात्रा, निदेशक अनुसंधान डॉ. एसके सहरावत, अधिष्ठाता कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डॉ. आरके झोरड़, डॉ. सीमा रानी (नोडल अधिकारी) एबिक व कार्यशाला के सचिव डॉ. दलविन्द्र और डॉ. अनुज उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......
दिनांक...8.3.2020.... पृष्ठ सं....14.... कॉलम....3-6...

कौशल बढ़ाने से होगा राष्ट्रीय विकास : वीसी

- हकृवि में इंडो-यूएस अफगानिस्तान प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के एबिक सेंटर में 12 दिवसीय कृषि नवाचार प्रणाली के लिए क्षमता विकास कृषि अनुसंधान और जलवायु-स्मार्ट कृषि दृष्टिकोण संबंधित इंडो-यूएस अफगानिस्तान प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे।

हिसार। हकृवि में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते वीसी प्रो.केपी सिंह व अन्य।

कार्यशाला का आयोजन निदेशक अनुसंधान एवं विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय सैल द्वारा किया जा रहा है। मुख्य अतिथि प्रो. सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला से अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान, आपसी संबंध व समझौते, अनुभावात्मक अधिगम कार्यक्रम, स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तथा सामुदायिक समन्वयता को मजबूत करने पर बल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हमारे विश्वविद्यालय में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सेंटर फॉर बायोनैनोटैक्रोलॉजी, कृषि महाविद्यालय और संबंधित विभागों में जाकर कृषि संबंधी प्रयोग, तकनीक व अन्य सूक्ष्म जानकारियां हासिल करेंगे।

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि हर व्यक्ति को शिक्षित, प्रशिक्षित व कौशल बनाना आधुनिक समय की मांग है और ऐसा करने से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय उत्थान और विकास संभव हो सकता है। इन प्रयोगों व कौशलों से शैक्षणिक स्तर में वृद्धि, वैचारिक स्तर में दक्षता, विद्यार्थियों व शोधार्थियों में प्रतियोगितात्मिक वातावरण उत्पन्न होगा। प्रो. सिंह ने भारत और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओ, परियोजनाओं पर प्रकाश डाला जो आज के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए शैक्षणिक व अनुसंधानिक क्षेत्रों में लाभदायक साबित होगीं।

अमेरिकी व हकृवि के वैज्ञानिक, अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को कृषि की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने संबंधी मूल्य प्रणाली, कृषि अनुसंधान विस्तार शिक्षा व प्रशिक्षण को बढ़ावा देने संबंधित प्रशिक्षण देंगे।

कार्यशाला के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को क्षेत्रीय स्तर पर व्यापारिक अनुभव प्रदान करवाना, कृषि फार्म पर जाकर प्रायोगिक विधि विकसित करना, निजी क्षेत्र और स्थानीय निकाय संबंधी कृषि अनुभव सांझा करना आदि मुख्य विषय रहेंगे। सत्र के दौरान हकृवि, अमेरिकी और अफगानी वैज्ञानिकों ने अपने परिचय के साथ अनुभवों को सांझा किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विशेष कार्यकारी अधिकारी, डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव, डॉ. बीआर कम्बोज, अधिष्ठाता स्नाकोत्तर अध्ययन डॉ. आशा क्वात्रा, निदेशक अनुसंधान डॉ. एसके सहरावत, अधिष्ठाता कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डॉ. आरके झोरड़, डॉ. सीमा रानी एबिक व कार्यशाला के सचिव डॉ. दलविंद्र और डॉ. अनुज उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर
दिनांक: 8.3.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5-7

प्राइवेट सेक्टर में रोजगार को ट्रेंड करेगी एचएयू

कार्यशाला में एचएयू के वैज्ञानिकों के अलावा अमेरिका और अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों ने भी लिया भाग

भास्कर न्यूज़ | हिसार

यूजी और पीजी के बाद युवा बेरोजगार न हो, इसी उद्देश्य से शनिवार को एचएयू के एबिक सेंटर में 12 दिवसीय कृषि अनुसंधान और जलवायु-स्मार्ट कृषि दृष्टिकोण संबंधित इंडों-यूएस अफगानिस्तान प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। जिसमें युवाओं को हरियाणा ओर विदेशों में कृषि के क्षेत्र में हो रहे नए प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। खास बात रही कि कार्यशाला में अमेरिका और अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान, आपसी संबंध व समझौते, अनु भावात्मक अधिगम कार्यक्रम, स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तथा सामुदायिक समन्वयता को मजबूत करने पर बल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हमारे विश्वविद्यालय में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सेंटर फॉर बायोनैनोटैक्रोलॉजी, कृषि महाविद्यालय और संबंधित विभागों में जाकर कृषि संबंधी प्रयोग, तकनीक व अन्य सूक्ष्म जानकारियां हासिल करेंगें। कहा कि हर व्यक्ति को शिक्षित, प्रशिक्षित व कौशल बनाना आधुनिक समय की मांग हैं और ऐसा करने से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय उत्थान और विकास संभव हो सकता है।

अमेरिकी व हकृवि के वैज्ञानिक, अफगानिस्तान के वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को कृषि की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने संबंधी मूल्य प्रणाली, कृषि अनुसंधान विस्तार शिक्षा व प्रशिक्षण को बढ़ावा देने संबंधित प्रशिक्षण देगें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक....9.3.2020.... पृष्ठ सं.......1....... कॉलम....1-5....

संडे पॉजिटिव ■ यू-ट्यूब पर वीडियो देख **की पहल,** पचास से अधिक गोवंश का कर रहे पालन

सातरोड कलां के नरेश ने 300 से ज्यादा घायल गोवंश की बचाई जान, दूध न देने वाली गाय के मूत्र व गोबर से प्रोडक्ट बना प्रति माह कमा रहे 80 हजार

गौ मूत्र, गोबर, दूध और दही आदि से साबुन, अगरबत्ती, मूर्ति आदि तैयार करते हैं

महबूब अली | हिसार

सामाजिक कार्यकर्ता राजीव दीक्षित की यू ट्यूब पर अपलोड गोवंश को बचाने संबंधी वीडियो देखकर सातरोड कलां गांव के किसान नरेश कौशिक ने प्रेरित होकर गायों को बचाने की पहल की।

उन्होंने सड़कों पर घायल अवस्था में तड़पने वाले गोवंश को अपने खर्च पर न सिर्फ उपचार दिलाना शुरू किया, बल्कि बेसहारा घूमने वाले पशुओं को पालना शुरू किया। अब बेसहारा गोवंश के गौ मूत्र, गोबर, दूध, दही आदि से साबुन, अगरबत्ती, मूर्ति आदि तैयार करने के बाद बेचकर हर माह 80 हजार रुपये तक कमा रहे हैं। पचास गोवंश की देखरेख कर रहे हैं। सातरोड कलां के नरेश कौशिक ने बताया कि वह 12वीं तक पढ़े हुए हैं। वर्ष 2010 में उन्होंने देखा कि गोवंश के दूध देना बंद करते ही लोग उन्हें छोड़ देते हैं। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता राजीव दीक्षित की यू ट्यूब पर एक वीडियो देखी। इसमें राजीव गोवंश को बचाने की अपील कर रहे हैं। इसके बाद नरेश ने गोवंश को बचाने का निर्णय लिया। अन्य साथियों के सहयोग से जहां भी उन्हें सड़क पर घायल गोवंश के पड़े होने की सूचना मिलती है, वह तुरंत पहुंचकर उसका उपचार कराते हैं। यही नहीं बाद में उसे नजदीकी गऊशाला में पहुंचाया जाता है। इसके लिए नरेश कौशिक को कुछ सामाजिक संगठन सम्मानित कर चुके हैं। नरेश हर माह की 21 और 22 तारीख को गांव में ही लोगों को जागरूक करने के लिए शिविर लगाते हैं। इसमें बताया जाता है कि यदि गोवंश दूध देना भी बंद कर देती है तो उसे बेसहारा छोड़ने की जरूरत नहीं है। उसका दूध, मूत्र बेचकर प्रोडक्ट तैयार कर भी रूपये कमाए जा सकते हैं। बताया कि दूध न देने वाली गाय से हर माह 12 हजार रुपये तक की आमदनी की जा सकती है।

सातरोड में गौवंश को पालते नरेश कौशिक।

सीख लेनी चाहिए : वीसी

नरेश गोवंश को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। एचएयू में ट्रेनिंग लेकर गोवंश के गौमूत्र और गोबर से नरेश प्रोडक्ट तैयार कर हर माह हजारों कमा रहा है। अन्य को भी नरेश से सीख लेनी चाहिए।''
-डॉ. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू।